सुन्नत यह है कि अज़ान देने वाला फ़ज्र की अज़ान में 'हय्या अलल-फ़लाह' के बाद 'अस-सलातु ख़ैरुम-मिनन-नौम' (नमाज़ नींद से बेहतर है) कहे

अनस (रज़ियल्लाहु अनहु) से रिवायत है, वह कहते हैं: सुन्नत यह है कि अज़ान देने वाला फ़ज्र की अज़ान में 'हय्या अलल-फ़लाह' के बाद 'अस-सलातु ख़ैरुम-मिनन-नौम' (नमाज़ नींद से बेहतर है) कहे (दो बार)।
[सह़ीह़] [इसे इब्ने ख़ुज़ैमा ने रिवायत किया है । - इसे बैहक़ी ने रिवायत किया है। - इसे दारक़ुतनी ने रिवायत किया है ।]

https://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/10616